मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–007

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (संस्कृत)

(एम.एस.के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एस.एस.के.–007 : साहित्यशास्त्र : काव्यप्रकाश, ध्वन्यालोक और दशरूपक

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। खण्डों में दिये गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर विस्तापूर्वक दीजिए।* 3×20=60

1. 'काव्यप्रकाश' के आधार पर काव्य के प्रयोजनों की विस्तृत विवेचना कीजिए।

2. अन्वित के अभिधान से आप क्या समझते हैं? अन्विताभिधानवाद का विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. शब्द की शक्तियों की विस्तृत विवेचना कीजिए।

4. पठित अंश के आधार पर ध्वन्यालोक प्रथम उद्योत का प्रतिपाद्य विषय लिखिए।

5. रस सम्प्रदाय से आप क्या समझते हैं? इस सम्प्रदाय की परम्परा के आचार्यों के योगदान का वर्णन कीजिए।

6. काव्यहेतु का विस्तृत वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. उपमा एवं उत्प्रेक्षा अलंकारों का लक्षण और उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

2. नाटक के आवश्यक अंगों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

3. अनुप्रास तथा यमक अलंकारों का लक्षण एवं उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

4. ध्वनि सम्बन्धी अभाववादी मत का उल्लेख कीजिए।

5. नाटिका किसे कहते हैं? इसे परिभाषित करते हुए सोदाहरण परिचय लिखिए।

6. रीति और वक्रोक्ति में क्या भेद है? सम्प्रदाय मत से दोनों का वर्णन कीजिए।

7. सिद्ध कीजिए कि 'ध्वनि काव्य की आत्मा है'।

8. आचार्य विश्वनाथ का परिचय देते हुए उनके काव्यशास्त्रीय योगदान का वर्णन कीजिए।

× × × × ×